

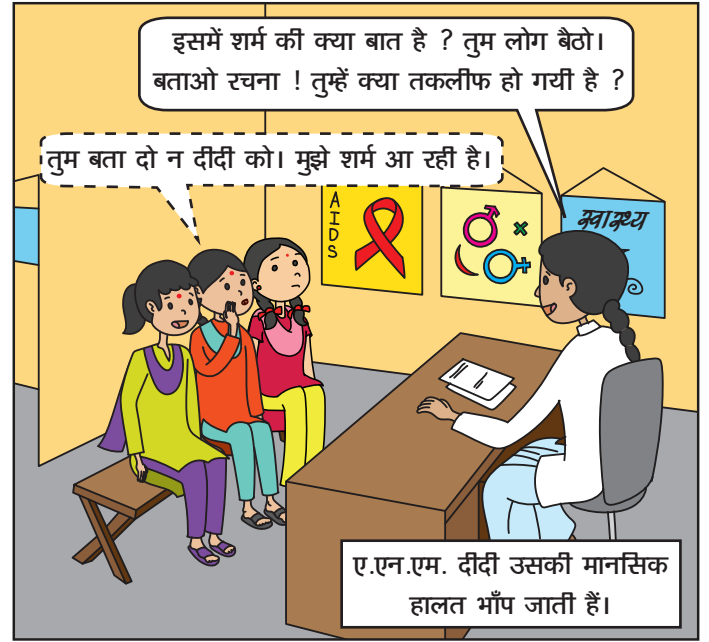


# यौन शंक्रमण से न लजाना, जल्दी इलाज कराना



पिकनिक से आने के बाद मुस्कान और शैली अपनी सहेली रचना के मायके आने पर उससे मिलने पहुँचती हैं। रचना को ऐसी कौन सी स्वास्थ्य समस्या आई है जिसे बताने में उसे शर्म आ रही है जानें -







साफ-सफाई की कमी तो एक मुख्य कारण है इस तरह की बीमारियाँ होने का। शौच जाने के बाद या संभोग से पहले और बाद में या नहाते समय जनन अंगों की ठीक से सफाई न होने के कारण पुरुषों और स्त्रियों दोनों को ही इस तरह की तकलीफ हो सकती है।



साफ-सफाई की कमी? तो दीदी यह बीमारी किसी को भी हो सकती है?

हाँ सच कहा मुस्कान साफ-सफाई के आभाव में जनन अंगों में संक्रमण किसी को भी हो सकता है। रचना तुम माहवारी के दिनों में साफ, धूप में सुखा कपड़ा तो इस्तेमाल करती हो ना ?



क्या बताऊँ दीदी ! नहाने का तो ठिकाना नहीं है। ऊपर से छोटा सा घर। माहवारी में उपयोग किये जाने वाले कपड़े छप्पर में खोसकर रख देती हूँ। माहवारी आने पर वही निकाल कर इस्तेमाल कर लेती हूँ।



देखो लड़कियों ! तुम सबको माहवारी के दौरान विशेष साफ सफाई रखना चाहिए। उन दिनों में इस्तेमाल किये जाने वाले कपड़े को अच्छी तरह से धोकर धूप में सुखाना चाहिए। उसे साफ जगह रखना चाहिए।

दीदी ! वो मेरे पड़ोसी हैं न पटेल दाऊ ! उनकी बहु शहर की है। वह तो दवाई की दुकान से पेड का पैकेट ले आती है।



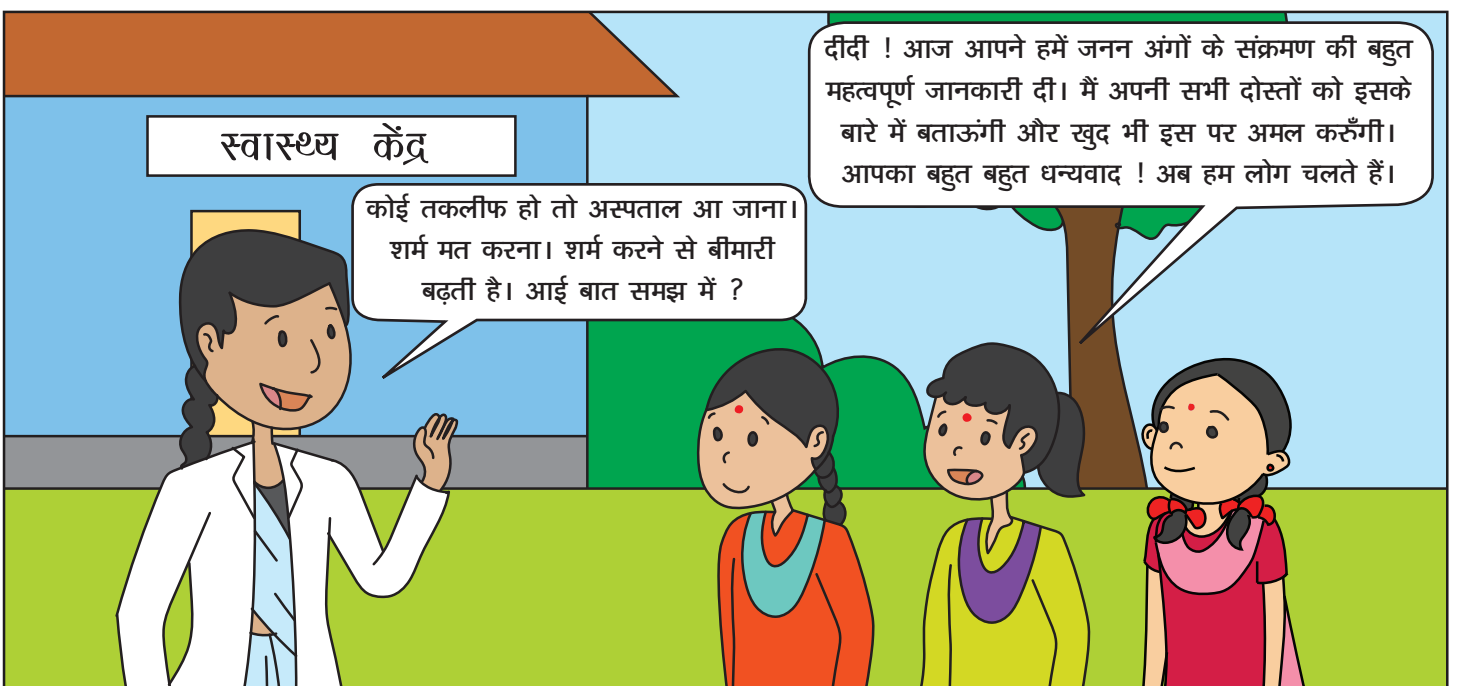
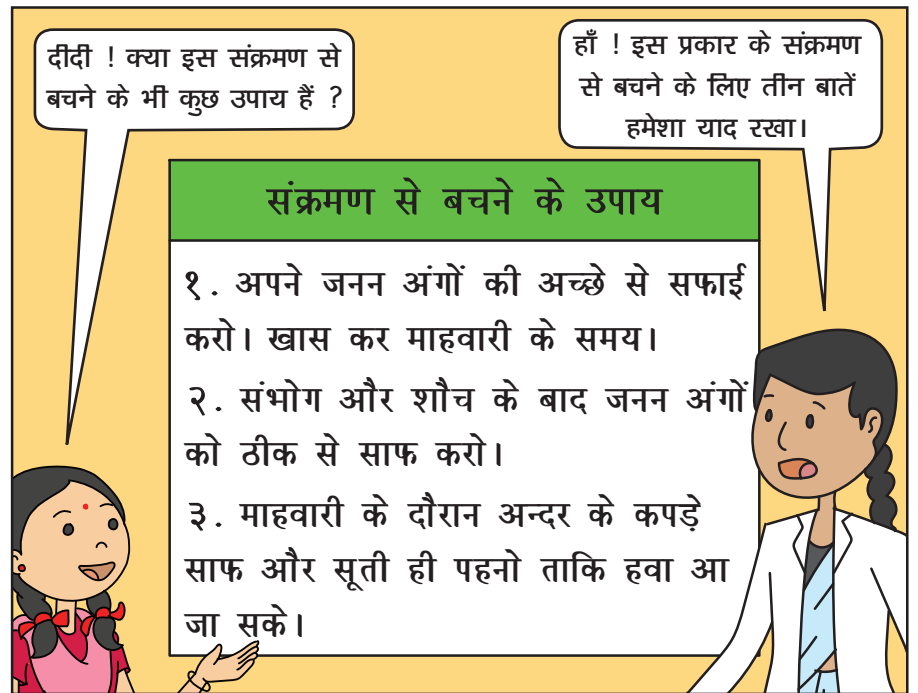
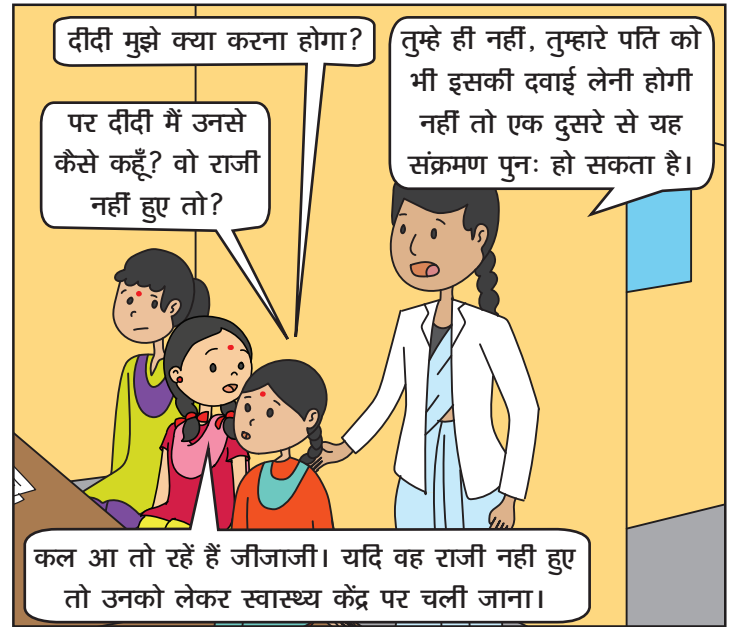
अच्छा ! वैसा ही पैकेट जैसा टी.वी. पर बताते हैं ?

हाँ ! वही।



बाप रे ! दुकानदार से मांगने में उसे शर्म नहीं आती ?

इसमें शर्म कैसी ? माहवारी तो एक सामान्य प्रक्रिया है। सेनेटरी पेड में एकदम साफ रुई रहती है जो खून के बहाव को सोख लेती है। यह पेड संक्रमण से भी बचाता है।



# पढी गई कहानी के अनुसार, हम कुछ मुद्दों पर चर्ची करेंगे:



प्रजनन तंत्र  
संक्रमण



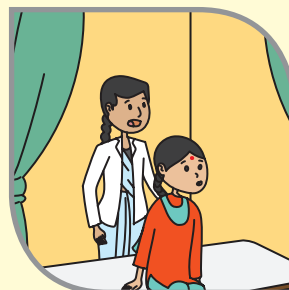
प्रजनन तंत्र  
संक्रमण क्या है ?



लक्षण



रचना को क्या समस्या थी  
जिसके कारण वह ससुराल  
नहीं जाना चाहती थी ?



कारण



प्रजनन तंत्र संक्रमण  
किस कारण होता है ?



सावधानी



संक्रमण होने पर क्या  
सावधानी रखें ?

# याद रखने वाले मुख्य संदेश

प्रजनन तंत्र संक्रमण प्रजनन अंगों (बाहर या अंदर) पर असर करता है। ज्यादातर प्रजनन तंत्र संक्रमण का इलाज आसानी से हो जाता है बशर्ते इसकी जाँच और इलाज समय पर करा दिया जाए।

## लक्षण

### लक्षण

- ❖ पेशाब करते समय दर्द या जलन होना
- ❖ प्रजनन अंगों में से बदरंगी और बदबूदार पानी निकलना
- ❖ प्रजनन अंगों में खुजली, सूजन या पीड़ा होना
- ❖ पेट के निचले भाग या पेडू में दर्द होना।

### कारण

- ❖ शौच के बाद, संभाग के पहले व बाद तथा नहाते समय जनन अंगों को ठीक से सफाई न होना।
- ❖ माहवारी के समय साफ-सफाई (विशेष रूप से बाहरी प्रजनन अंगों की) न रखना व गंदे, गीले या धूप में नहीं सूखे हुए कपड़े का उपयोग करना।
- ❖ यदि पति या पत्नी में से किसी एक को किसी प्रकार का संक्रमण है तो वह दूसरे को भी होने की संभावना रहती है। अतः दोनों का साथ में उपचार कराना जरूरी है।

## सावधानी

### सावधानी

- ❖ शौच के बाद, संभाग के पहले व बाद में मासिक धर्म के दौरान तथा प्रसव के बाद जनन जनन अंगों की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।
- ❖ माहवारी के दौरान स्वच्छ, धुला हुआ और धूप में सूखा कपड़ा या सेनेटरी पैड का इस्तेमाल करें।
- ❖ यौन सम्बन्ध के दौरान कंडोम के इस्तेमाल करने पर इसे एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को फैलने से रोका जा सकता है।
- ❖ कोई भी तकलीफ होने पर डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।
- ❖ ये रोग अक्सर अपने आप ठीक नहीं होते इसलिए इनका इलाज करवाना जरूरी है।
- ❖ रोग का इलाज नहीं कराना और रोग छिपाए रखना घातक हो सकता है।
- ❖ इसका इलाज सभी सरकारी अस्पतालों या निजी क्लिनिकों में हो सकता है।



## भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

- ❖ आशा की सहायता से गांव में 10 से 19 वर्ष की आयु के सभी किशोर/किशोरियों की सूची तैयार करना।
- ❖ स्वास्थ्य एवं संरक्षण के मुद्दों के संबंध में मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने में किशोर/किशोरियों की सहायता करना।
- ❖ आशा/ए.एन.एम. की सहायता से आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सीय व सुरक्षा संबंधी जरूरत में दूसरी जगह रेफर करवाना।
- ❖ किशोर/किशोरियों की बातों की हमेशा गोपनीयता बनाए रखना।
- ❖ बच्चों और किशोर/किशोरी पर हिंसा के मामलों को पुलिस या बाल संरक्षण अधिकारी को सूचित करना।
- ❖ हिंसा के शिकार व्यक्ति की चिकित्सा देखभाल एवं परामर्श लेने और कानूनी सहायता हासिल करने में सहायता करना।
- ❖ धर्म, जाति, वर्ग, जेंडर या वैवाहिक स्थिति पर विचार किए बिना सभी किशोर/किशोरियों तक पहुंचना।

<p><b>पहला अंक</b></p> <p>माद्य और तुरकान के साथ तिरंगा झंडा की बात</p>	<p><b>दूसरा अंक</b></p> <p>माद्य और तुरकान के साथ पोषण ट्रेजरी की बात</p>	<p><b>तीसरा अंक</b></p> <p>माद्य और तुरकान के साथ श्रवण व कुमिनाएक गोली की बात</p>	<p><b>चौथा अंक</b></p> <p>गुण और कर्मों को जान करे खुद वै खुद की पहचान</p>	<p><b>पांचवां अंक</b></p> <p>बात दे बनती है बात जानें हम दाध-दाध</p>	<p><b>छठा अंक</b></p> <p>माद्य और तुरकान मिस्कर करती देखना टनाछान</p>
<p><b>सातवां अंक</b></p> <p>श्रम ना होगी कोई शूल समिा देन जाएगी स्कूल</p>	<p><b>आठवां अंक</b></p> <p>श्रमनी ताकत जानें हम लक्षियां बड़ी किमी से कम</p>	<p><b>नौवां अंक</b></p> <p>तुरकान, मिथा और बबली समती है बदली-बदली</p>	<p><b>दसवां अंक</b></p> <p>बड़े हो रहे हैं जानें बदलावों को पहचानें</p>	<p><b>ब्यारहवां अंक</b></p> <p>बड़े हो रहे हैं जानें बदलावों को पहचानें</p>	<p><b>बारहवां अंक</b></p> <p>बदलाव पहचानें नालवाओं को जानें</p>
<p><b>तेरहवां अंक</b></p> <p>खेले, कूड़े, नामें, गाएं, हैंकर तुलने पर मिसर पाएं</p>	<p><b>चौदहवां अंक</b></p> <p>हुनर के श्रमे, तनाव माने</p> <p><b>समिा रंभ</b></p>	<p><b>पंद्रहवां अंक</b></p> <p>मन के हरे हार है, मन के जीते जीते</p>	<p><b>सोलहवां अंक</b></p> <p>मन पाले तगाबू, बुटके की लत, नहीं तो हमी बुते बत</p>	<p><b>सत्रहवां अंक</b></p> <p>खुशी हो या गम, करी पीछी हम</p>	<p><b>अठारहवां अंक</b></p> <p>दूध संकल्प निगाएँ, बुटे श्रदती पर काबू पाएँ</p>
<p><b>उन्नीसवां अंक</b></p> <p>माद्य तुरकान ने किया कमाल, बाल विवाह ने मचाई छमाल</p>	<p><b>बीसवां अंक</b></p> <p>ब्याह की लकी अर, आंखन छिंदनी का टाफर</p>	<p><b>इक्कीसवां अंक</b></p> <p>बाल विवाह की प्रथम तैड़े, देहत वै माता जीड़े</p>	<p><b>बाईसवां अंक</b></p> <p>किधीर मन, न बटके कदम</p>		

